

29/4/24

पतावली पेसो हुई। उषों अनुपास्थित। रक्त-रक्त करलीन  
बार बाबापे दिम्बरि गई। संप्रथ शोच 5000 हो चुका है।  
अतः उषों के अनुपास्थित रहने पर उषों का आर्यमा-पत्र  
अपम हाजरी। अपम पत्रकी में खारिज किया जाता है।  
पतावली में साल सुमार होकर नमबर ले मग हो।

मिणि सुले इमलात सुगमा गमा।

